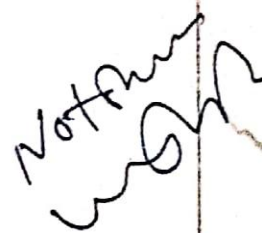



20-11-77

पञ्जाबी देश है। दक्षिण प्राचीण उपस्थित। दक्षिण
 प्राचीण के उपस्थित होकर कथन किया है इस
 वाद का निरन्तरता राजस्व लोक न्याय के है
 पुनः एक कथन एक पञ्जाबी के किसी प्रकार
 की कार्यवाही शेष नहीं रहने के प्राचीण के
 प्रार्थना पर जो नोट एक दिया गया। दक्षिण
 प्राचीण द्वारा प्रार्थना पर जो NOT PRESS दिष्ट
 जाने से प्रार्थना पर NOT PRESS के सार्वजनिक किया
 जाता है। पञ्जाबी के काम शुभकर की जाकर
 मूल वाद के कार्य के लिये भी जावे।

Not Press



 उपखण्ड अधिकारी
 माण्डल

